[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 1877 **L**

Unique Paper Code : 2203012009

Name of the Paper : Pattern Making and Construction

Name of the Course : **B.Sc. (Hons.) Home Science (NEP-UGCF)**

Semester : IV

Duration : 2 Hours Maximum Marks : 60

समय : 2 घण्टे पूर्णांक : 60

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **Four** questions in all.
3. Read the questions carefully. Support your answer with the help of illustration wherever required.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. कुल **चार** प्रश्न हल करें।
3. प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। जहाँ आवश्यक हो, वहाँ उदाहरण देकर अपने उत्तर को पुष्ट करें।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Q1.

a) Define the following terms: **(Any five)** (5 × 1 = 5 marks)

- Dart point
- Placket
- Working pattern
- Fit
- Tracing wheel
- Trueing of final patterns

(क) निम्नलिखित शब्दों की परिभाषा दीजिए: **(कोई पाँच)** (5 × 1 = 5 अंक)

- डार्ट पॉइंट
- प्लैकेट
- वर्किंग पैटर्न
- फिट
- ट्रेसिंग व्हील
- फाइनल पैटर्न का ट्रूइंग

b) Write short notes on the following: **(Any two)** (2 × 5 = 10 marks)

- Role of drafting in pattern making

- Importance of grain line in garment construction
- Contouring as a principle of pattern making

(ख) निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: **(कोई दो)** (2 × 5 = 10 अंक)

- पैटर्न मेकिंग में ड्राफ्टिंग की भूमिका
- परिधान निर्माण में ग्रेन लाइन का महत्व
- पैटर्न मेकिंग के सिद्धांत के रूप में कंटूरिंग

Q2. Explain the development of the torso block and describe the three basic dress variations which can be developed from the torso block. (15 marks)

टॉर्सो ब्लॉक के विकास को समझाइए तथा टॉर्सो ब्लॉक से विकसित किए जा सकने वाले तीन मूल ड्रेस प्रकारों का वर्णन कीजिए। (15 अंक)

Q3.

a) Explain the concept of added fullness in pattern making and discuss different methods used to create fullness. (7 marks)

b) Enumerate the common fitting problems found in upper garments. Suggest the suitable remedies for correcting any two such fitting problems. (8 marks)

(क) पैटर्न मेकिंग में अतिरिक्त फैलाव की अवधारणा को समझाइए तथा फैलाव उत्पन्न करने के विभिन्न तरीकों पर चर्चा कीजिए। (7 अंक)

(ख) ऊपरी परिधानों में पाए जाने वाले सामान्य फिटिंग दोषों को सूचीबद्ध कीजिए। इनमें से किसी दो दोषों को सुधारने के लिए उपयुक्त उपाय बताइए। (8 अंक)

Q4. Differentiate between the following: **(Any three)** (3 × 5 = 15 marks)

a) Triangular and inverted triangular body shape
b) Princess line bodice and empire line bodice
c) Slash-spread technique and pivotal transfer technique
d) Comfort ease and style ease

निम्नलिखित में अंतर बताइए: **(कोई तीन)** (3 × 5 = 15 अंक)

(क) त्रिकोणीय और उल्टा त्रिकोणीय शरीर आकार
(ख) प्रिंसेस लाइन बॉडिस और एम्पायर लाइन बॉडिस
(ग) स्लैश-स्प्रेड तकनीक और पिवटल ट्रांसफर तकनीक
(घ) कम्फर्ट ईज़ और स्टाइल ईज़

Q5.

a) What are the different types of sleeves used in women's garments. Discuss the steps of development for any two sleeves. (8 marks)
b) Enumerate the various collar styles used in women's garments and discuss the steps of development for any two collars. (7 marks)

(क) महिलाओं के परिधानों में उपयोग होने वाली विभिन्न प्रकार की आस्तीनों के प्रकार क्या हैं? किसी दो आस्तीनों के विकास के चरणों पर चर्चा कीजिए। (8 अंक)

(ख) महिलाओं के परिधानों में उपयोग होने वाली विभिन्न प्रकार की कॉलर शैलियों को सूचीबद्ध कीजिए तथा किसी दो कॉलर के विकास के चरणों पर चर्चा कीजिए। (7 अंक)